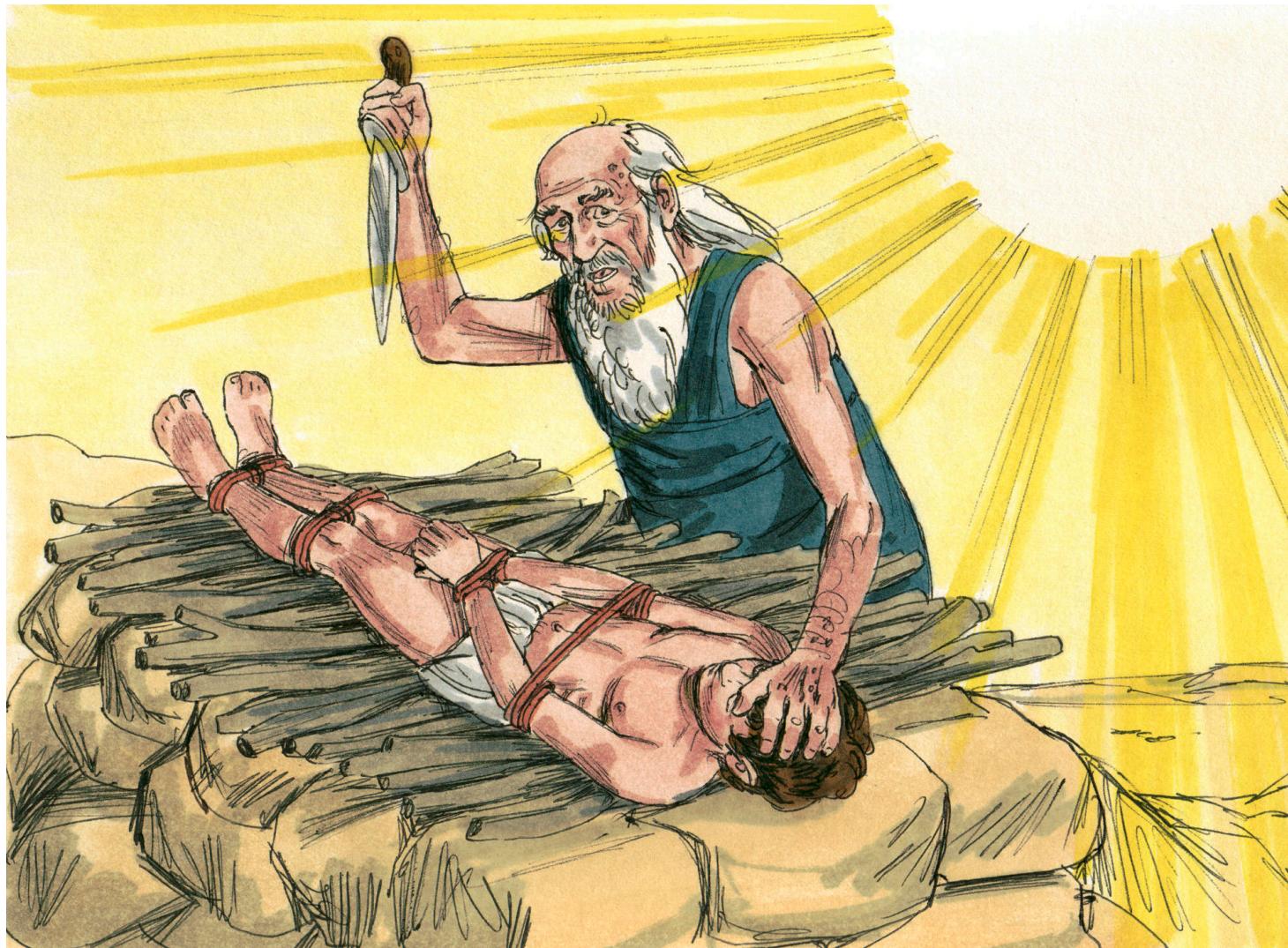


# अब्राहम रौ बिश्वाश





# अब्राहम रौ बिश्वाश

bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



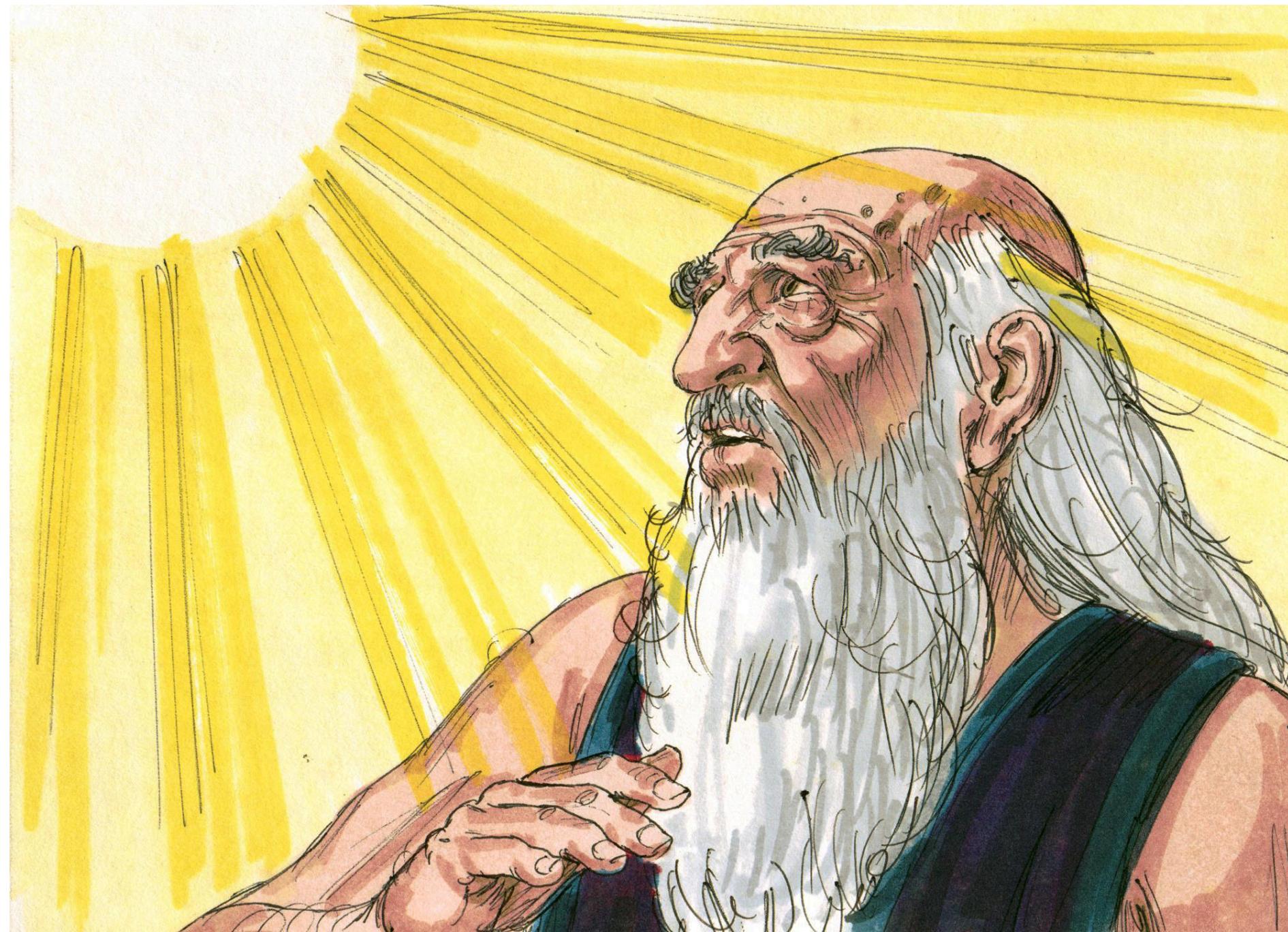
For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book  
Red level book

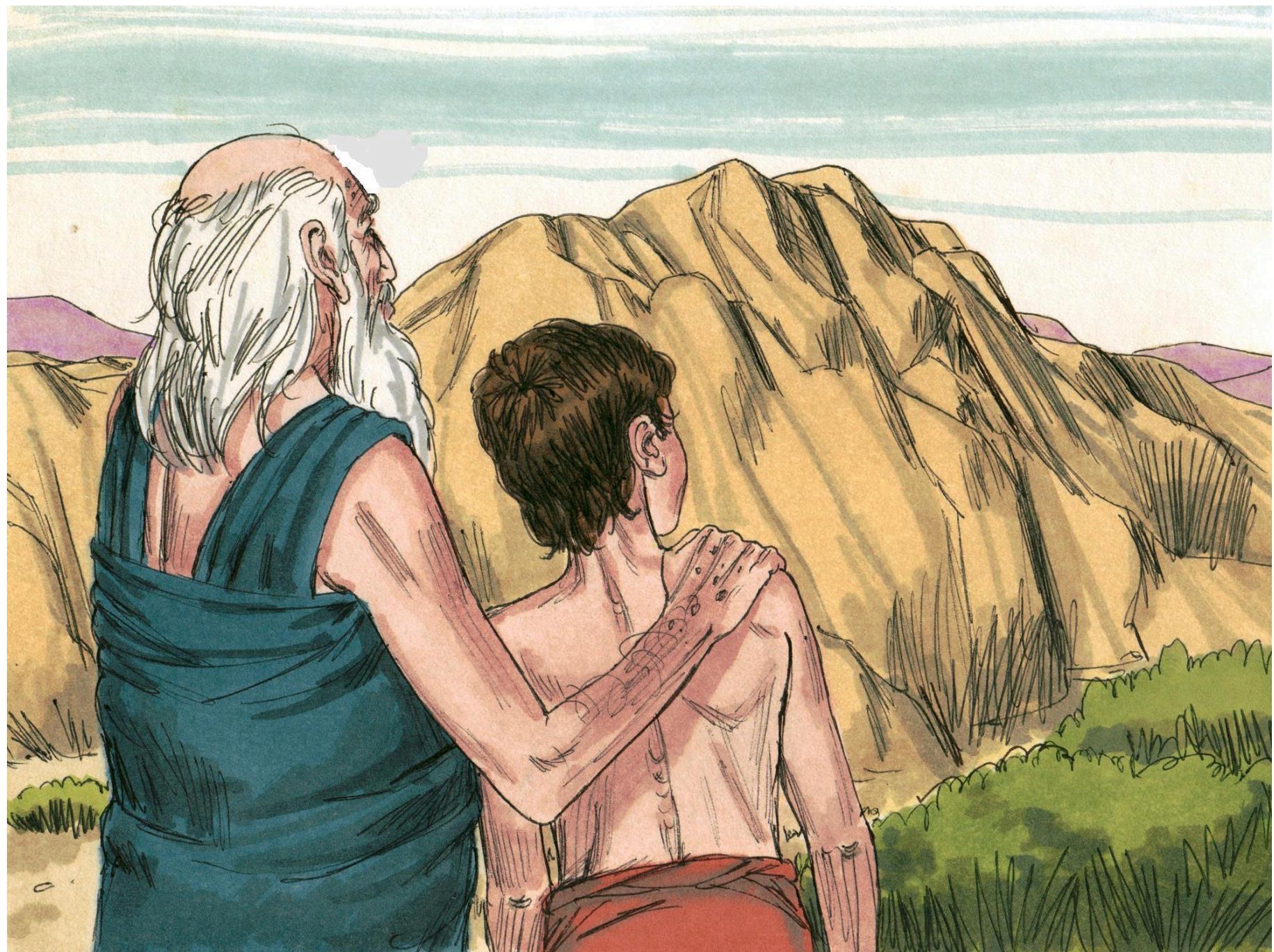
प्रकाशन:-  
NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें अब्राम का बिश्वास के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



अब्राहम परमेश्वर दि वौरि विश्वाश  
कौरे थौ। परमेश्वरेइ अब्राहम रौ  
विश्वाश रि परिक्षा गिणियौ वोलौ। तू  
आपडौ बेटाइ वौळि खि चौडाउ।



जेशौ परमेश्वरेऽ अब्राहम आरि बोलौ,  
तिणी तेशौऽ कियौ । अब्राहम उठौ  
आपडै नौकर औज़ि आपडौ बेटा  
गिणियौ डैओ । अब्राहमेऽ सेज़ी ज़ागा  
दुरै कौऽ देखी ।



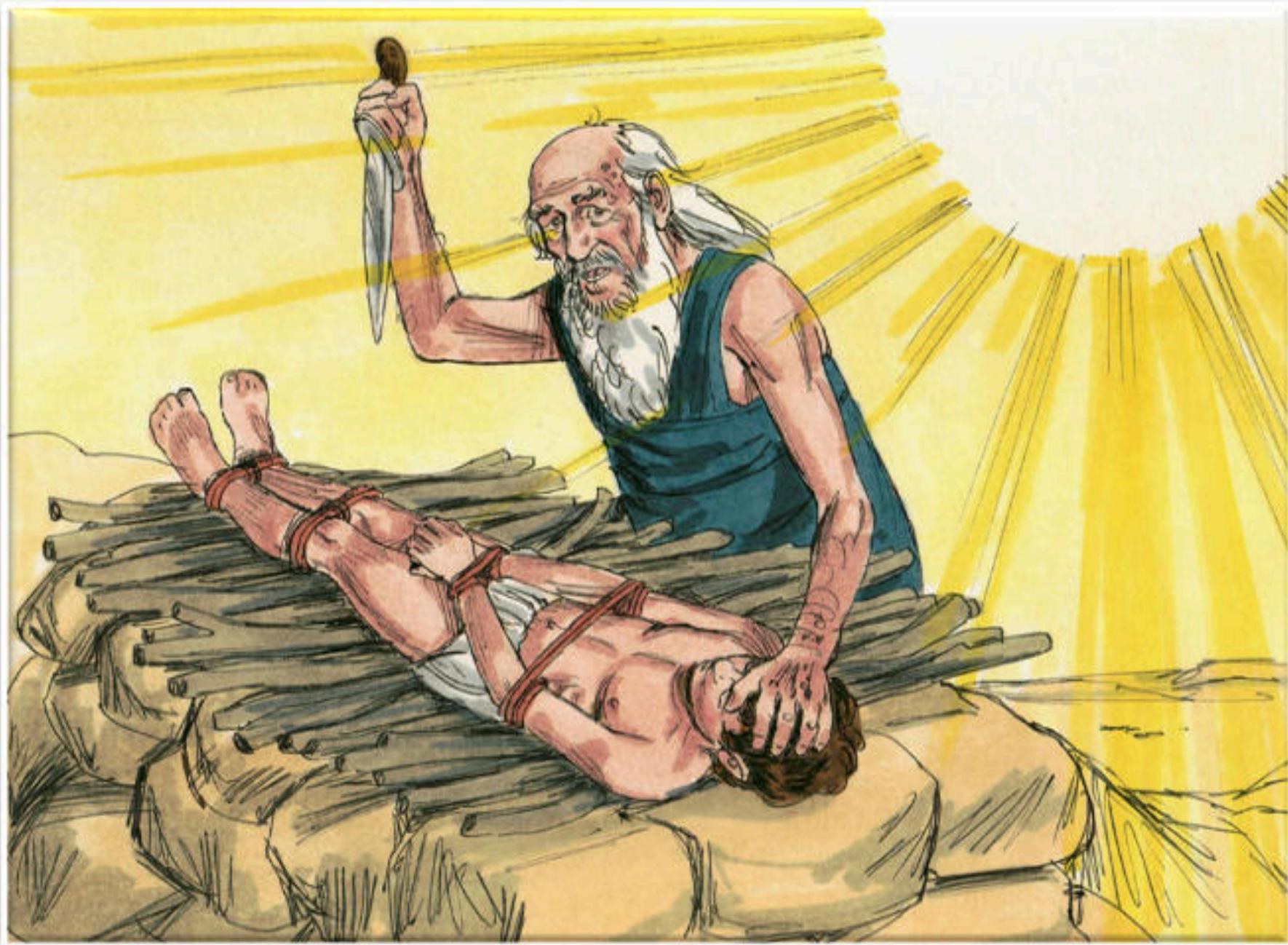
तैव अब्राहमेइ नौकरुं आरि बोलौ,  
कि तुमै एथिकै रैइयौ। आमैं दुइ  
तेकै डेइयौ प्राथना कौरियौ वापस  
आइ। अब्राहमेइ बौछि खि लाकड़ै  
आपड़ै बेटा रै कान्दै माइं देणै।



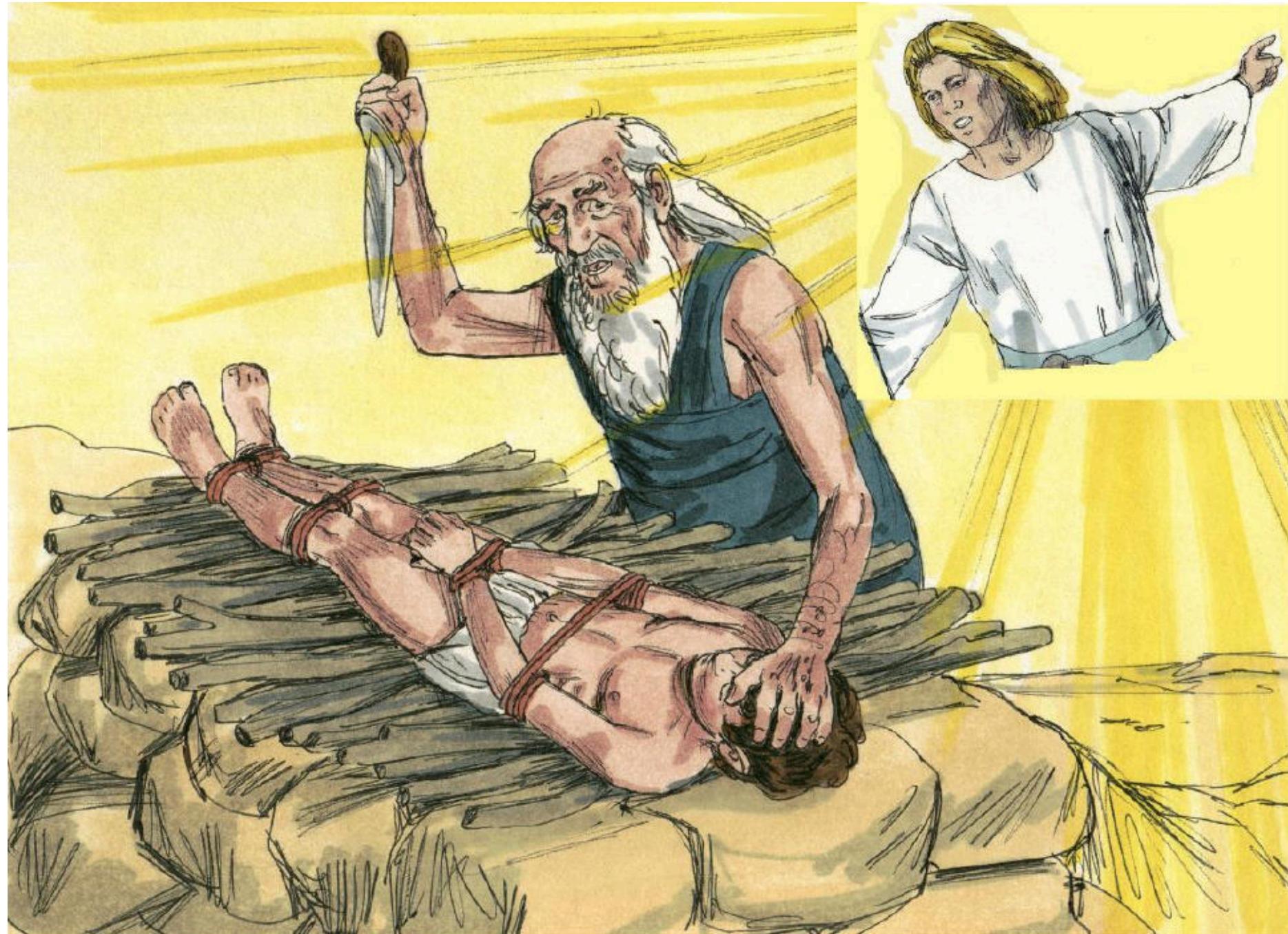
अब्राहम आपड़ौ बेटा गिणियौ डान्डै  
माइं डैओै। आग औज़ि छुरि  
अब्राहमेइ आपडै आथेदि नी। तैबै  
बेटाइ अब्राहम कौइ पुछ्हौ कि आग  
औज़ि लाकडै तै आम्के औस्त पर  
बौक्कि खि खाडू केटकै।



अब्राहमेड बोलौ खाडू रौ इन्तज़ाम  
परमेश्वर आफुइ कौरै । तैवै अब्राहम  
तेत्कै डैओ जेत्कै डेणोखि परमेश्वरेड  
तेसारि बोलौ थौ । औज़ि तेत्कै  
अब्राहमेड एक बेदि चाणीं ।



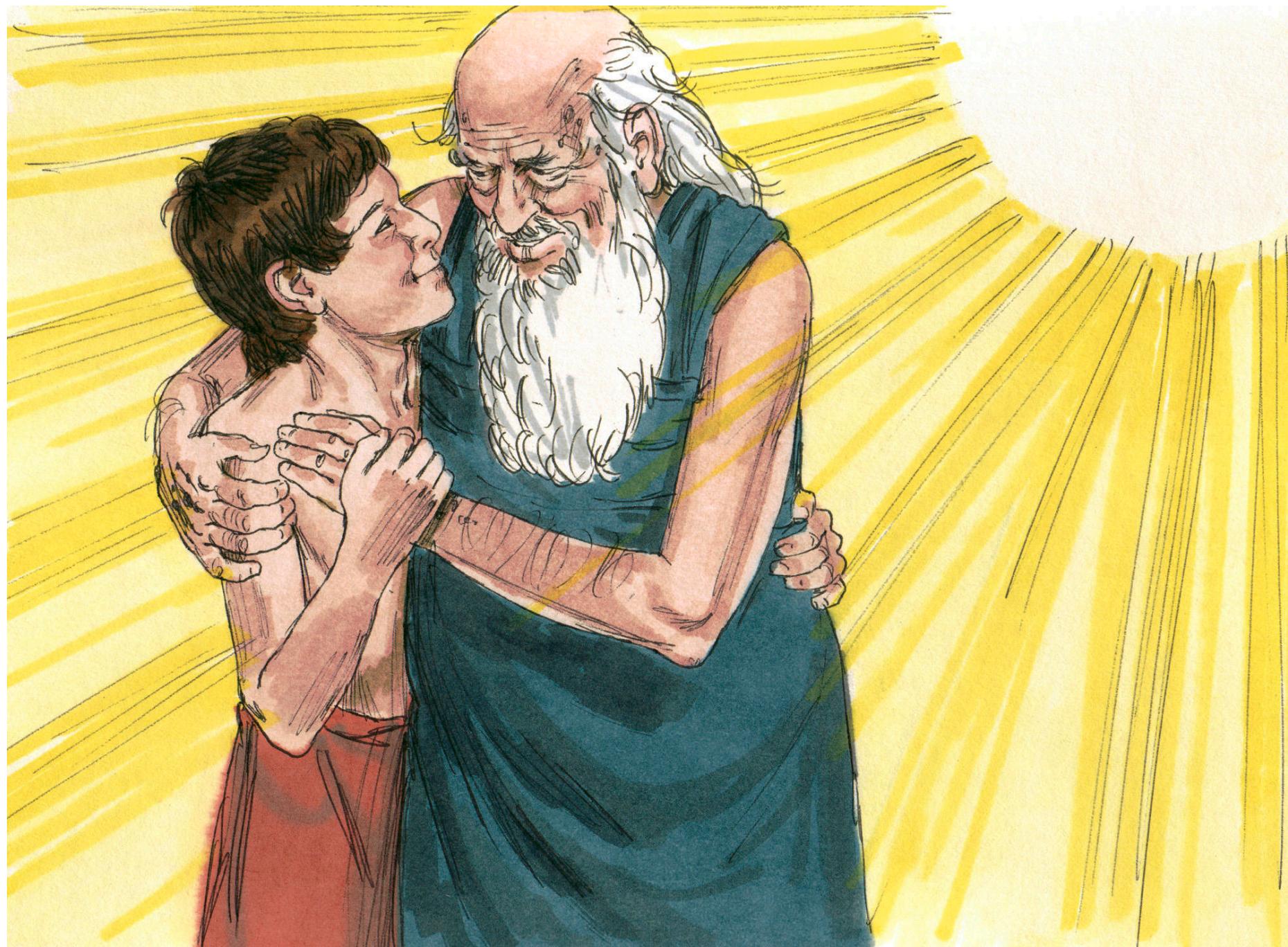
अब्राहमेझ आपड़ौ बेटा बेदि माझं थौ।  
आज़ि बेटा रि बौझ कौरनेखि तियार  
उवौ। तेबै एक दृतेझ औटाउझ्यौ  
अब्राहम आरि बोलौ।



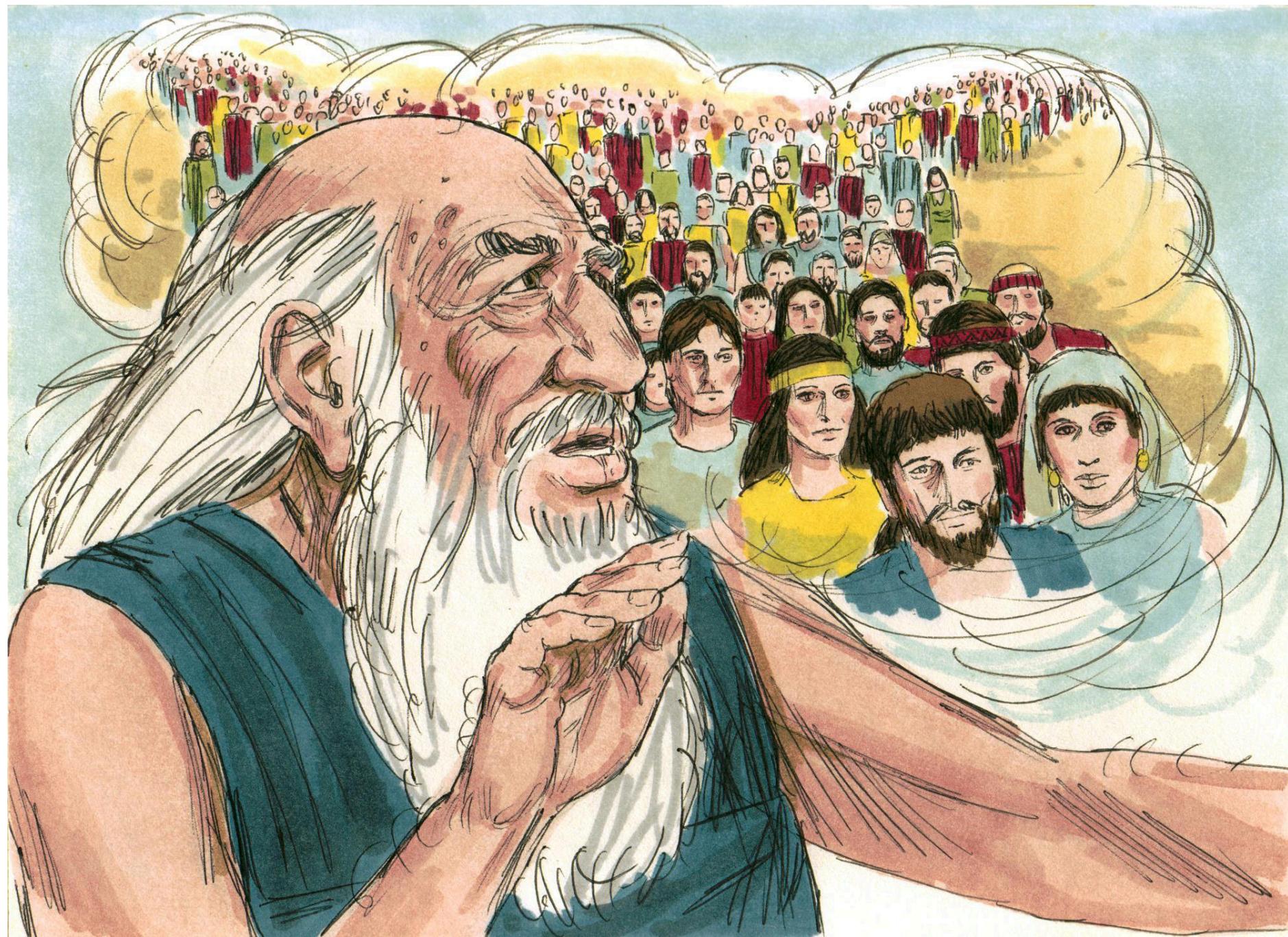
ए अब्राहम आपड़ौ बेटा रि बौळि ना  
चौड़ाउ। ताइं तै आपड़ौ बेटा बी  
मुखि देणनेखि ना ना कौरि। ऐबै आउं  
जाणिगो कि तू मेरि आजाइ मानै।



तैबै अब्राहमेइ खाडु ज़ाडिदि  
फौशान्दो देख्वै। तैबै अब्राहमेइ  
आपडौ बेटा रि ज़ागा दि खाडु रि  
बौछि चौड़ाइ। तैबै अब्राहमेइ सेज़ी  
ज़ागा रौ नौऊं यहोवा यीरे थौ।



जेसरौ मतलब एशौ कि “परमेश्वर  
उपाय कौरनै वाळौ ।” परमेश्वरेझ  
बोलौ कि तू आपड़ौ बेटा रि बौछि  
चौड़ाणेखि तियार उवौ । एजी बौज़  
कौइ आऊँ ताउँकै आशिश देउ ।



तैव परमेश्वरेऽ अब्राहम के आशिश  
देणि, औजि बोलौ आउँ तेरौ वंश  
गौडणी रै तारौउँ जेती बौडाउ । तेरि  
वंश रि बौजै कौइ सारि ज़ातियै  
आपखी दन्य बोलै लै । केलाकि ताइं  
मेरि बुशै मानी ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.